1

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

न क्वेयं यथा त्वम्।
– सामवेद 203

हे प्रभो तुझ जैसा काई नहीं है। आप अनुपम हैं।
O God ! Verily there is none like you. You are matchless.

वर्ष 41, अंक 46 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 3 सितम्बर, 2018 से रविवार 9 सितम्बर, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के संयुक्त तत्त्वावधान में
भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर, 2018

आयोजन स्थल – स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैक्टर 10 रोहिणी, दिल्ली में

महर्षि दयानन्द नगर निर्माण का शुभारम्भ यज्ञ एवं जन जागृति हेतु भव्य शोभायात्रा का आयोजन

रविवार 16 सितम्बर 2018 ★ शोभायात्रा – सायं 3 बजे ★ वृहद् यज्ञ : सायं 4 बजे

शोभायात्रा शुभारम्भ
स्वामी दयानन्द उद्यान, नेताजी सुभाष प्लेस, दिल्ली-110034

वृहद यज्ञ
सम्मेलन स्थल: स्वर्ण जयन्ती पार्क, रोहिणी सै. 10

समस्त आर्यसमाजों अधिकारी, सदस्य एवं कार्यकर्तागण अपनी गाड़ियों, टैम्पो, बसों, कार, ई-रिक्शा, मोटर साइकिलों पर ओ३म् ध्वज लगाकर अपनी आर्यसमाज के बैनरों के साथ भारी संख्या में पहुंचे।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के कार्यों को गति देने के उद्देश्य से दिनांक 16 सितम्बर 2018 को दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में वेद प्रचार मण्डल उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के तत्त्वावधान में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। शोभायात्रा का शुभारम्भ स्वामी दयानन्द उद्यान (डिस्ट्रिक्ट पार्क) एस.डी. ब्लॉक पीतमपुरा के सामने निकट नेताजी सुभाष प्लेस से दोपहर 3 बजे होगा। शोभायात्रा सुभाष प्लेस से होकर मधुबन चौक, साई बाबा चौक, डी.सी. चौक होते हुए सम्मेलन स्थल स्वर्ण जयन्ती पार्क पहुंचेगी जहां सायं लगभग 5 बजे विशाल यज्ञ के साथ शोभायात्रा का समापन होगा व महाशय धर्मपाल जी चेयरमैन (एम. डी. एच.ग्रुप) द्वारा आर्य महासम्मेलन स्थल के कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया जाएगा व कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यक्रमोपरान्त प्रीतभोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

समस्त आर्यसमाजों एवं आर्य शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों और कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं सम्मेलन की व्यवस्था की लिए बनी सभी कार्य समितियों के सदस्यों से निवदेन हैं कि इस पुनीत एवं ऐतिहासिक अवसर पर अपने समाज की ओर टैम्पो, कार, ई-रिक्शा, स्कूटी, मोटरसाइकिल पर ओ३म् ध्वज लगाकर व सुन्दर झांकियों इत्यादि के साथ बड़ी संख्या में शोभा यात्रा में सम्मिलित होकर महर्षि दयानन्द नगर (अस्थाई) के निर्माण के साक्षी बनें। शोभा यात्रा और कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए अपने परिचितों और मित्रों को भी प्रेरित करें। **किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए श्री जोगेन्द्र खट्टर मो. 9810040982 से सम्पर्क** करें।

निवेदक महासम्मेलन आयोजन समिति, दिल्ली की समस्त आर्यसमाजों, आर्य शिक्षण संस्थाओं, वेद प्रचार मंडलों के अधिकारी एवं कार्यकर्तागण

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 की तैयारियों व व्यवस्थाओं में सहयोग हेतु आर्यसमाज माडल टाउन पानीपत में आर्य केन्द्रीय सभा पानीपत की बैठक सम्पन्न

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली की तैयारियों तथा व्यवस्थाओ में सहयोग हेतु आर्य केन्द्रीय सभा पानीपत की बैठक आर्य समाज मॉडल टाउन पानीपत में सम्पन्न हुई। बैठक में आर्य केन्द्रीय सभा के प्रधान बलराज इलाहावादी, मॉडल टाउन आर्यसमाज के संरक्षक ओ.पी. गोयल, प्रधान ओ.पी. डावर, सुरेश मलिक प्रधान आर्यसमाज हुड्डा, आचार्य संजीव वेदलांकर, शक्ति आर्य जी, गुलशन नंदा जी के साथ पानीपत जिले की अनेक आर्यसमाजों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल जी एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री एवं महासम्मेललन के सहसंयोजक श्री विनय आर्य ने सम्बोधित किया। सम्मेलन की व्यवस्थाओं को सुन्दर और व्यवस्थित आर्य केन्द्रीय सभा पानीपत के अधिकारियों ने पानीपत जिले से अधिकाधिक सहयोग प्रदान करने तथा भारी संख्या में पहुंचने का आश्वासन प्रदान किया।

वेद-स्वाध्याय

मिलकर कर्त्तव्य पालन

सं जानाम है मनसा सं चिकित्वा मा युष्महि मनसा दैव्येन।
मा घोषा उत्स्थुर्बहुले विनिर्हते मेषुः पप्तदिन्द्रस्याहन्यागते।। अथर्व. 7/52/2
ऋषिः **अथर्वा**।। देवता - **सांमनस्यम्, अश्विनौ**।। छन्दः **त्रिष्टुप्**।।

शब्दार्थ- हम **मनसा** = मन द्वारा **सम्** = मिलकर **जानामहै** = विचारें और **चिकित्वा** = सोचना-समझना **सम्** = मिलकर करें; **दैव्येन मनसा** = दैव मन से **मा युष्महि** = कभी वियुक्त न हों, बिछुड़ें नहीं। **बहुले विनिर्हते** = अन्धकार आ जाने पर या विशाल द्यावापृथिवी के टूटने पर भी **घोषाः मा उत्स्थुः** = हमारे अन्दर हाहाकार के शब्द न उठें और **अहनि आगते** = दिन आ जाने पर, अनुकूल स्थिति पा जाने पर **इन्द्रस्य इषुः** = इन्द्र का इषु, ईश्वरीय मार **मा पप्तत्** = हम पर न पड़े।

विनय- हमें अपना सब सामूहिक सोचना-समझना मिलकर ही करना चाहिए। हम एक होकर, एकमत से ही किसी कार्य को प्रारम्भ करें। हम जरे बहुत बार एकमत नहीं हो पाते हैं उसका कारण यह होता है कि हम 'दैव्य मन' से सोचना छोड़कर आसुर मन से विचारने लगते हैं। आसुरीवृत्ति से, स्वार्थप्रेरित होकर, एक-दूसरे पर अविश्वास करते हुए, एक-दूसरे को तिरस्कृत करते हुए हम चलेंगे तो हम कभी भी एकमत नहीं हो सकेंगे, अतः हमें निःस्वार्थ प्रेम से युक्त दैव्य-मन को कभी नहीं त्यागना चाहिए और एकमत हो, एक निश्चय के साथ सर्वहितकारी बड़े-से-बड़े काम को उठा लेना चाहिए तथा उसे एकभाव से ही प्रेरित हो चलाते जाना चाहिए। फिर बड़ी-से-बड़ी भयंकर विपत्तियां आने पर भी विह्वल नहीं होना चाहिए। असफलताएं और विघ्नों की रात्रियां तो प्रत्येक महान् कार्य में आया ही करती हैं। इन क्षुद्र असफलताओं पर हाहाकार मचाना तो क्या, यदि महादारुण प्रलय की रात्रि भी आ जाए और ये विशाल द्यौ और पृथिवी भी नष्ट होने लगें, तो भी हमें विचलित नहीं होना चाहिए अपितु अटल निष्ठा से अपनी साधना में लगे रहना चाहिए। फिर इस रात्रि के बाद दिन आ जाने पर भी, सब अनुकूल अवस्थाएं हो जाने पर भी, हमें मौज लूटने में ग्रस्त नहीं हो जाना चाहिए। अपने अन्तिम लक्ष्य को भूल विषय-भोगों, विजयोत्सवों में नहीं पड़ जाना चाहिए, क्योंकि ऐसे ही समय में 'इन्द्र का इषु' गिरा करता है, वज्रपात हुआ करता है, ईश्वरीय मार पड़ा करती है। यह दैवी मार बहुत बुरी होती है। वे बड़े-बड़े साम्राज्य जोकि अपने बड़े दुर्दान्त शत्रुओं के घोर आक्रमणों को भी सह गये, पीछे से विषय-भोगों में ग्रस्त होकर स्वयमेव नष्ट हो गये, 'इन्द्र के इषु' से मारे गये, अतः आओ, अपने अन्धकार के समय में भी और प्रकाशकाल में भी, हम कभी दैव मन को न छोड़ते हुए सदा मिलकर , खूब सोच-समझकर, एकतम से अपने सर्वोदय के महान् कार्यों को चलाते जाएं।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

आपका आगे का भविष्य कैसा होगा

.....चीन ने 1979 से एक बच्चे की नीति को लागू किये रखा, जिससे उनकी औरतों में एक तरह की नकारात्मक भावना ने जन्म लिया और औरतों में प्रजनन शक्ति दर तेजी से गिरती चली गयी। इसी कारण आज चीन में इस एक बच्चे की बालनीति से वहां बुजुर्ग अकेले और बेसहारा दिखाई देते हैं। उनके पास अनुभव भी हैं और पैसा भी लेकिन रिश्तों नातों से खोखले होकर नितांत अँधेरे में हैं जहाँ अपनेपन की उम्मीदों की किरण दिखाई नहीं देती।.....

जरा कुछ पल सोचकर देखिये कि आज से कुछ समय बाद आप तो होंगे, आपके आस-पास भीड़ भी होगी लेकिन इस भीड़ में अपनेपन और स्नेहभाव का कोई एक स्पर्श नहीं होगा यानि आपको कोई अपना कहने वाला नहीं होगा, अब कोई कहे ऐसा कुछ नहीं होगा! ये सिर्फ एक खोखला भय है तो उन्हें आज चीन के बुजुर्गों से यह सब सीख लेना चाहिए। असल में चीन ने 1979 से एक बच्चे की नीति को लागू किये रखा, जिससे उनकी औरतों में एक तरह की नकारात्मक भावना ने जन्म लिया और औरतों में प्रजनन शक्ति दर तेजी से गिरती चली गयी। इसी कारण आज चीन में इस एक बच्चे की बालनीति से वहां बुजुर्ग अकेले और बेसहारा दिखाई देते हैं। उनके पास अनुभव भी हैं और पैसा भी लेकिन रिश्तों नातों से खोखले होकर नितांत अँधेरे में हैं जहाँ अपनेपन की उम्मीदों की किरण दिखाई नहीं देती।

अब चीन इस सबसे सबक लेकर अपने नागरिकों के भविष्य के लिए एक योजना बना रहा है जिसके तहत जो परिवार जितने बच्चे पैदा करना चाहते हैं वह कर सकते हैं और इसके लिए कोई सीमित संख्या तय नहीं की जाएगी। चीन के इस हाल को देखते हुए अगले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में भी यही हाल होने जा रहा है क्योंकि अभी तक भारतीय समाज की पहचान और प्राणवायु रहे संयुक्त परिवार आज सिमट रहे हैं। शायद धीरे-धीरे लुप्त हो जायेंगे। यदि गांवों को अलग रखे तो देश के बड़े शहरों में परिवार और समाज विघटन की कगार पर हैं। अस्सी नब्बे के दशक में ट्रकों आदि के पीछे लिखे गये स्लोगन ''छोटा-परिवार सुखी परिवार'' आज दुखी परिवार नजर आ रहा है। देश में बढ़ते वृद्ध आश्रम इस बात का प्रमाण हैं जैसे माता-पिता या बुजुर्ग हमारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि एक बोझ बनते जा रहे हैं।

इसका सबसे बड़ा कारण है एक ही बच्चा पैदा करने का रिवाज, जो आज बुजुर्गों को घर से घसीटकर बाहर वृद्ध आश्रम जैसी जगहों पर ले गया। आज हर कोई एक बच्चे को ही अपने जीवन में पर्याप्त समझता है तो कोई दो बच्चों से अपने परिवार को पूरा करना सही समझता है। हालांकि ये सबके विचार और परिस्थितियों पर निर्भर करता है। कारण अधिकांश जगह आजकल दोनों पति-पत्नी कामकाजी होते हैं, इसलिए वो एक बच्चा पैदा करना ही ठीक समझते हैं तथा दूसरों को भी एक ही बच्चा पैदा करने की सलाह देते हैं। बात सलाह तक तो सही है किन्तु सलाह के बाद सवाल ये है कि एक ही बच्चे की नीति से उसे समाज में कहाँ से बुआ, कहाँ से मामा, चाचा, बहन, भाई दिए जायेंगे? जब वह अकेला बड़ा होगा तो उसके लिए माँ बाप भी कोई मायने नहीं रख पाएंगे।

इसे कुछ ऐसे समझिये कि मान लिया आपने एक बच्चा पैदा कर लिया आपके यहाँ बेटा हुआ तथा अन्य किसी दूसरे के यहाँ बेटी हुई। दोनों को अच्छी शिक्षा भी दे दी गयी, वह भी कामकाजी हो गये। अब दोनों की शादी हो गयी। उनके यहाँ भी एक बच्चा हो गया, क्या आपको नहीं लगता आगे चलकर उक्त दम्पति के ऊपर दो लड़की के तथा दो लड़के के माता-पिता मिलाकर अब चार बुजुर्गों की देखभाल की जिम्मेदारी हो गयी? क्या वह इन रिश्तों की जिम्मेदारी ईमानदारी और स्नेह के साथ निबाह पाएंगे? दिल पर हाथ रखकर कितने लोग जवाब दे सकते हैं कि उस समय उन चार बुजुर्गों की जगह घर में होगी या बाहर किसी संस्था में?

हो सकता है कुछ लोग इस पारिवारिक सामाजिक, समीकरण से इत्तेफाक न रखे और कहें कि महंगाई बहुत है एक बच्चें की परवरिश बड़ी मुश्किल होती है। यदि आप ऐसे सोचते है और अपने इस जवाब पर कायम हैं तथा एक बच्चे की परवरिश को बड़ी बात समझ रहे हैं तो आखिर वह एक बच्चा दो बुजुर्गों की जिम्मेदारी कैसे उठाएगा?

एक समय था कभी घर और मन इतने विशाल थे कि चाचा, ताऊ ही नहीं, बल्कि दूर के रिश्ते के भाई, बंधु और उनके परिवार भी इसमें समा जाते थे लेकिन आज परिवार तो दिखाई ही नहीं देते साथ में घर के बुजुर्ग भी वृद्ध आश्रमों में पटक दिए जाते हैं। अब स्थान और सम्बन्ध इतने संकुचित हो चले हैं कि अपने माता-पिता के लिए गुंजाईश निकालना इनको मुश्किल हो रहा है। आज इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो बिखरते हुए समाज में जो रिश्तों का खालीपन होगा, उसे भर पाना फिर असंभव हो जायेगा आपके आस-पास भीड़ होगी लेकिन रिश्ते-नाते नहीं होंगे।

छोटा परिवार सुखी परिवार ???

एक समय था जब वृद्धाश्रम जैसी संस्थाएं हमारी परिकल्पनाओं से परे थीं लेकिन आज शहर दर शहर खुलते जा रहे हैं वृद्ध आश्रम जिनमें बुजुर्ग स्वेच्छा या मजबूरियों में पहुंचाए जा रहे हैं। आदर, प्यार और कृतज्ञता के धागे से बंधे रिश्ते हमारी विशेषता थी, क्योंकि हमारे समाज के मूल आधार हमारे मधुर रिश्ते रहे हैं, लेकिन आज की तेज भागती जिंदगी में अपने आप ही ये रिश्ते पीछे छूटते चले गए हैं।

माना आजकल महंगाई बढ़ती जा रही है, ऐसे में डिलिवरी, दवाई के खर्चे और पढ़ाई-लिखाई के खर्च लोगों कुछ हद तक भारी पड़ सकते हैं। किन्तु जो आर्थिक रूप से संपन्न है इन जिम्मेदारियों को बखूबी निभा सकते हैं वह भी इसी भेड़-चाल में फंसकर रह गये हैं और एक ही बच्चे का राग आलाप रहे है जबकि दूसरा बच्चा आ जाने से पहला बच्चा खुद को अकेला नहीं समझता है। पहले बच्चे को एक साथी मिल जाता है जिसके साथ वह घर में खेलकूद सकता है। उसे दूसरे किसी दोस्त की जरूरत नहीं पड़ती है। दूसरा बच्चा आ जाने से आपको अपने लिए थोड़ा समय मिल जाता है, क्योंकि वह दोनों एक दूसरे में व्यस्त रहते हैं। उन्हें रिश्ते मिल जाते हैं जो आगे चलकर एक परिवार का निर्माण करते हैं। उस स्थिति में माता-पिता के पास बुढ़ापे में विकल्प होते है भले ही एक पल उनकी जेब में पैसा न हो पर सामाजिक रूप से तो रिश्तों-नातों से झोली भरी रहती है किन्तु दुर्भाग्य एक ही बच्चे के गीत से आज वह झोली खाली दिखाई दे रही है। - ***सम्पादक***

वेद प्रचार समारोह सम्पन्न

आर्य समाज हनुमान रोड के तत्त्वावधान में वेद प्रचार समारोह दिनांक 30 अगस्त से 3 सितम्बर 2018 के बीच सोल्लास सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर यजुर्वेद के मंत्रों से प्रातः डॉ. महावीर जी के ब्रह्मत्व में विशेष यज्ञ कराया गया तथा ऋत्विक डॉ. कर्ण देव शास्त्री थे। कार्यक्रम में श्री राजवीर शास्त्री जी ने मधुर भजन प्रस्तुत किये। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में दिल्ली के छात्र-छात्राओं द्वारा आर्य समाज की दृष्टि में योगिराज श्रीकृष्ण विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुरस्कार वितरण एवं शान्तिपाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। - ***विजय दीक्षित, मंत्री***

असहमति और राष्ट्रविरोध में अन्तर

.....धर्म को अफीम और सत्ता की कुर्सी, बन्दूक की गोली से लेने का नारे लगाने वाले इन सभी कार्लमार्क्स के दत्तकपुत्रों की गिरफ्तारी से देश में अजीब सा शोर मचा है। हालाँकि शोर मचाने वाले वही लोग हैं जो दादरी में अखलाक की हत्या के विरोध में भारत सरकार को अपने पुरस्कार लौटाकर देश में असहिष्णुता फैलने का खतरा जता रहे थे। लेकिन इस बार इन गिरफ्तारी को सरकार की तानाशाही, अभिव्यक्ति का हनन और कलम पर हमला बताया जा रहा है, ...

पिछले दिनों खबर थी कि देश के 44 जिलों को नक्सली हिंसा मुक्त घोषित कर दिया गया। जंगली इलाकों में नक्सलवाद की कमर टूट चुकी है और अब वहां सुरक्षाबल पूरी तरह से हावी है। अब अगला नंबर शहरी नक्सलियों का आएगा। इसके बाद पिछले वर्ष भीमा कोरेगांव में हिंसा और प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश के आरोप में पिछले दिनों पुणे पुलिस ने पांच वामपंथी विचारकों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को देश के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किया है। इन वामपंथी विचारकों में कवि वरवर राव, वकील सुधा भारद्वाज, मानवाधिकार कार्यकर्ता अरुण फरेरा, गौतम नवलखा और वरनॉन गोंजाल्विस शामिल है। इन सभी की गिरफ्तारियां देश के अलग-अलग शहरों से हुई हैं। पुलिस का कहना है कि जाति आधारित हिंसा की एक घटना और माओवादियों से संबंधों के चलते इन्हें गिरफ्तार किया गया है।

धर्म को अफीम और सत्ता की कुर्सी, बन्दूक की गोली से लेने का नारे लगाने वाले इन सभी कार्लमार्क्स के दत्तकपुत्रों की गिरफ्तारी से देश में अजीब सा शोर मचा है। हालाँकि शोर मचाने वाले वही लोग हैं जो दादरी में अखलाक की हत्या के विरोध में भारत सरकार को अपने पुरस्कार लौटाकर देश में असहिष्णुता फैलने का खतरा जता रहे थे। लेकिन इस बार इन गिरफ्तारी को सरकार की तानाशाही, अभिव्यक्ति का हनन और कलम पर हमला बताया जा रहा है, जबकि मीडिया के अनेक सूत्र इसे शहरी नक्सलवादियों की गिरफ्तारी से जोड़कर देख रहे हैं।

असल में लोगों को भ्रम है कि वामपंथ की खदान से स्टालिन, माओ जैसे खूंखार दरिन्दों का निकलना बंद हो गया है। किन्तु नक्सली जब किसी घटना को अंजाम देते हैं तो यह साबित हो जाता है कि जब तक यह वीभत्स विचारधारा जीवित है, तब तक इसके गर्भ से हिंसा के दानव पैदा होते रहेंगे। अनेक लोग सोचते हैं कि देश के कई हिस्सों में जंगलों में अनपढ़, आदिवासी नक्सली रहते हैं जो घात लगाकर हमारी सेना पर हमला करते हैं। लेकिन कितने लोग ऐसे होंगे जो यह सोचते है कि आखिर उन्हें ऐसे हमलों के लिए कौन लोग प्रेरित करते हैं? बहुत कम लोगों को यह पता होगा कि नक्सली सिर्फ जंगलों में नहीं रहते। कुछ नक्सली जंगलों में रहते हैं और बाकी उनकी मदद के लिए शहरों में फैले हुए हैं ये शहरी नक्सली आमतौर मानवाधिकार या सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार या फिर कॉलेज प्रोफेसर के भेष में रहते हैं। ये जंगल में रह रहे अपने साथियों को आर्थिक मदद से लेकर हथियार तक पहुंचाने में मदद करते हैं।

दरअसल, मार्क्सवाद-लेनिनवाद वैचारिक शराब की वह बोतल है जिसे पीकर अच्छे-अच्छे लोग झूम जाते हैं। भारत में इस विचारधारा के सबसे बड़े अनुयायी शहरी वामपंथी और जंगल में रहने वाले उनके शिष्य नक्सली हैं, जो यह सोचते हैं कि वामपंथ की विचारधारा ही मनुष्य सभ्यता की सबसे बड़ी क्रांति है। इसमें कई राजनीतिक दल हैं। इनके अलावा देश में कई लोग ऐसे हैं जो इस वैचारिक नशे में झूमते रहते हैं। जिन्हें सामाजिक परम्परा त्यौहार और उत्सव बकवास और फालतू की चीजें दिखाई देती हैं।

वैचारिक रूप से कंगाल यह लोग कभी संप्रदायिकता से लड़ने वाले योद्धा बन जाते हैं तो कभी लोकतंत्र बचाने और नागरिक अधिकारों के लिए आंदोलन में शामिल हो जाते हैं, सामाजिक न्याय के नाम पर मुखर होने वाले इन लोगों को कश्मीर के पत्थरबाज मासूम दिखाई देते हैं, मानवाधिकार के नाम पर यह लोग याकूब मेनन की फांसी के विरोध में आधी रात को सुप्रीम कोर्ट तक खुलवा लेते हैं। कश्मीर के आतंकी इन लोगों को भटके हुए मुसलमान दिखाई देते हैं तो कथित गौरक्षक इन्हें हिन्दू तालिबानी और आतंकी दिखाई देते हैं, यह लोग कभी पर्यावरण प्रेमी बन जाते हैं तो कभी जानवरों की रक्षा के नाम पर इन्हें गाय का घी मासांहार नजर आने लगता है, लेकिन यह लोग कभी बकरीद पर अपनी जुबान नहीं खोलते बस इनका एजेंडा समझने के लिए यही उदाहरण सबसे उपयुक्त है। खुद को मानव अधिकारों के रक्षक बताने वाले मार्क्स के वंशजों के पीछे कई बार देश के युवा खड़े हो जाते हैं लेकिन इनकी असली करतूत से कितने लोग वाकिफ हैं, 20वीं सदी में मार्क्सवाद-लेनिनवाद की विचारधारा पर चलने वाले इस समाजवाद ने जितना जनसंहार किया है उतने लोग तो किसी विश्वयुद्ध और प्रलय में भी नहीं मारे गए।

यही विचारधारा थी जिसकी वजह से चीन में करीब 65 लाख लोग मारे गये, उत्तर कोरिया में दो लाख और रूस में तकरीबन 20 लाख लोग इसी विचारधारा के पालन-पोषण में मारे गये। क्यूबा और लैटिन अमेरिका में करीब डेढ़ लाख लोगों का वामपंथी-सरकारों ने जनसंहार किया। भारत में इन्हें भले ही कभी पूर्ण रूप सत्ता नहीं मिली लेकिन जिन-जिन राज्यों में यह लोग सत्तासीन रहे वहां के हालात कम हिंसा ग्रस्त नहीं रहे।

पश्चिम बंगाल व त्रिपुरा जैसे गढ़ों के ढहने के बाद अब एक बार फिर यह लोग प्रखर हो चले हैं। इसलिए यह लोग देश में अलग-अलग भय के माहौल खड़े किये जा रहे हैं, भारत माता की जय, वन्देमातरम, राष्ट्रगान इनके लिए कोई मायने नहीं रखता इसके बावजूद कभी संविधान खतरे को बताया जाता है तो कभी, देश के लोकतांत्रिक संस्थान इनके काम करने का तरीका देखिये अभी पिछले दिनों देशद्रोह के आरोपी उमर खालिद पर दिल्ली के कांस्टिट्यूशन क्लब के पास 'हमले' की खबर आई, थी जिस तरह अचानक इस खबर का तमाशा बनाया गया यह समझना मुश्किल था कि हमला पहले हुआ या हमले की खबर पहले आई। कश्मीर में आतंकवाद हो या बस्तर जैसी जगहों पर माओवाद, सब कुछ बाहर से नियंत्रित होता है। एनजीओ के नाम पर बाहर से फंड लेकर उनके अनुसार काम किया जाता है। नक्सलवाद जिस विचारधारा पर काम करता है, उसके लिए राष्ट्र का कोई अर्थ नहीं होता है। सीधे-साधे भोले लोगों को बरगलाकर उनके हाथों में हथियार देकर समाज में विद्वेष फैलाने का काम ये अर्बन नक्सली करते हैं, जो देश के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक हैं। जो लोग इन गिरफ्तारी के विरोध में कह रहे हैं कि भारत में किसी को भी असहमति जताने का हक है और ऐसे मामलों का लंबा इतिहास रहा है, जहां लोगों ने असहमति जताई तो आप भी जताइए लेकिन राष्ट्र का विरोध कहाँ जायज है?

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा

अमर शहीद राजगुरु

गतांक से आगे -

सन् 1925 का सुदृढ़ क्रांतिकारी संगठन कुछ समय के लिए छिन्न-भिन्न हो गया। एक के बाद दूसरा क्रांतिकारी ब्रिटिश गुप्तचर विभाग की नज़रों का शिकार होता ही जा रहा था। किन्तु, उनके सेनापति चन्द्रशेखर आज़ाद अब भी अंग्रेजी हुकूमत की पकड़ से बाहर थे। फ़रारी के आलम में वे सुयोग्य क्रांतिकारियों की भर्ती और उनके सफल संचालन में लगे रहे।

तत्पश्चात्, 'काकोरी कांस्प्रेसी केस' का जवाब दिया गया दक्षिणेश्वर, लाहौर, दिल्ली, चटगांव, मुछआ बाज़ार, मिदनापुर, टीटागढ़ आदि अनेक बमकाण्डों से। समस्त भारत में अंग्रेजों के पैर लड़खड़ा गये। तभी गुप्तचर अधिकारियों ने उन्हें बैसाखी पकड़ा दी। अंग्रेज़ों ने राहत की सांस ली। उनका विश्वास और भी दृढ़ हो गया कि इन नमक हलालों के रहते हुए भारत में उन्हें कोई ख़तरा नहीं।

उस ज़माने में शम्भूनाथ कानपुर मे डिस्ट्रिक्ट इंटेलिजेन्स स्टाफ़ के सब-इंस्पेक्टर इन्चार्ज थे। टीकाराम और मोहम्मद नासिर खां भी उसी ओहदे पर क्रमशः शाहजहांपुर तथा इलाहाबाद में कार्यरत थे। मुख्यतः शम्भूनाथ को ही आज़ाद की 'ज़िन्दा या मुर्दा' गिरफ्तारी का भार सौंपा गया, क्योंकि उनके क्रांति के मुख्य गढ़ कानपुर, झांसी, जालौन और इलाहाबाद थे। वैसे, टीकाराम और नासिर खां की ज़िम्मेदारी भी कम नहीं की गयी। 'सीक्रेट सर्विस मनी' (वह रक़म जो गुप्तचर अधिकारियों को मुख़बिर बनाने और उनके ऊपर ख़र्च करने के लिए सरकार प्रदान करती है, जिसका कोई लेखा-जोखा भी नहीं होता) के हज़ारों रुपये ख़र्च करने की अनुमति भी अंग्रेज़ अफसरों ने इन्हें दे दी।

उन दिनों कानपुर के डी.ए.वी. कॉलेज का होस्टल क्रांतिकारियों की गतिविधियों का अच्छा-ख़ासा अड्डा बन गया था। 'सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है' गीत विद्यार्थियों की ज़ुबानपर था। ब्रिटिश शासन की ईंट से ईंट बजाने के लिऐ वे दीवाने हो रहे थे। शम्भूनाथ ने धन का लालच देकर कुछ विद्यार्थियों को पटाया और उनसे होस्टल में रहने के लिए कहा। इन छात्रों का पूरा ख़र्च सरकार के ज़िम्मे था जो शम्भूनाथ द्वारा उन्हें विभिन्न स्थानों पर, विभिन्न दिनों में नियमित रूप से मिलता गया।

- क्रमशः

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार :

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा
के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

सम्मेलन स्थल :- **स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85**

विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग
तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

एक रुपीय यज्ञ हेतु दिल्ली में अनेक स्थानों पर यज्ञ प्रशिक्षण : विश्व रिकार्ड की तैयारी

आप आर्यसमाज के अधिकाधिक सदस्यों के साथ भाग लें : प्रशिक्षण/जानकारी हेतु श्री सतीश चड्डा जी 9313013123 से सम्पर्क करें

दिल्ली में अक्तूबर, 2018 में आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के अवसर पर होने वाले विशाल एक रूपीय यज्ञ की तैयारी हेतु दिल्ली के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थाओं में यज्ञ प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर उत्तरी दिल्ली के आर्यसमाज आदर्श नगर स्थित आर्य मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों एवं अध्यापिकाओं को तीन दिवसीय यज्ञ प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों को महासम्मेलन के अवसर पर आयोजित विशाल एकरूपीय यज्ञ कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

यदि आप भी प्रशिक्षण प्राप्त करके महासम्मेलन के अवसर पर आयोजित होने वाले एक रूपीय यज्ञ में भाग लेना चाहते हैं तो अपनी आर्यसमाज/विद्यालय/संस्थान में आयोजित करने हेतु यज्ञ व्यवस्था संयोजक श्री सतीश चड्डा जी से 9313013123 पर सम्पर्क करें।

प्रचार हेतु शोभायात्रा/प्रभातफेरी आयोजित करें

समस्त आर्य समाजों, आर्य विद्यालयों, गुरुकुलों एवं अन्य सहयोगी संस्थानों के पदाधिकारियों से निवेदन है कि अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर सम्मेलन से चार दिन पूर्व अपने प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्रों में सम्मेलन के प्रचार एवं जन साधारण को आमन्त्रित करने पधारने की प्रेरणा देने के लिए प्रात:काल अथवा सायंकाल जैसा आप उचित समझें शोभायात्राएं/प्रभातफेरियां आयोजित करें, जिससे जन साधारण में जानने की उत्सुकता तथा जागृति का संचार हो।

कृपया अपनी प्रचारयात्रा/शोभायात्रा/प्रभातफेरी का विवरण तिथि, समय, स्थान, रूट आदि की जानकारी सम्मेलन कार्यालय को अवश्य भेजें, जिससे आर्यसन्देश साप्ताहिक में प्रकाशित किया जा सके। - ***संयोजक***

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018

25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

तद्नुसार कार्तिक कृष्ण १, २, ३, ४ विक्रमी २०७५

स्थान : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी, दिल्ली

कॉलर ट्यून से करें महासम्मेलन का आह्वान

'विश्वमार्यम् का फिर से उद्घोष करें'

आर्यमहासम्मेलन गीत 'विश्वमार्यम् का फिर से उद्घोष करें' को अपने मोबाइल की कॉलर/रिंग टोन बनाएं। अपने मोबाईल में सम्मेलन गीत की ट्यून सैट करने हेतु दिए गए कोड को मैसेज करें अथवा निम्न लिंक पर क्लिक करें-

http://mobilemanoranjan.com/Hindi/Album/Arya-Udghosh

Airtel	DIAL 5432116538214	Idea	DIAL 5678910497215
SetNTune	SMS CT 10497215 to 51234	BSNL E & S	SMS BT 10497215 to 56700
BSNL N & W	SMS BT 7104896 to 56700	Aircel	SMS DT 7104896 to 53000
Vodafone	SMS CT 10497215 to 56789	MTNL	SMS PT 10497215 to 56789
TATA	SMS CT 10497215 to 543211		

आर्य महासम्मेलन की कॉलर ट्यन को सीधे किसी भी सर्च इंजन में bit.ly/2t7kRqr टाइप करके डाउनलोड भी किया जा सकता है।

सम्मेलन गीत को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए डायल करें - आईडिया : 9891871921 या वोडाफोन: 8929747971 और गीत सुनाई देने पर ★ दबाए तथा आए हुए मैसेज पर रिप्लाई करें। ट्यून आपके मोबाईल में सैट हो जाएगी। नियमानुसार अपेक्षित शुल्क देय होंगे।

दिल खोलकर सहयोग करें

अक्टूबर-2018 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन अपने आप में बहुत बड़ा सम्मेलन होगा। सम्पूर्ण विश्व से 2 लाख से अधिक आर्य जनों के इसमें पहुँचने की आशा है। इसे देखते हुए सम्मेलन की सभी व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के लिए आप सबका आर्थिक सहयोग सादर अपेक्षित है। सभी आर्यजनों, आर्य संस्थाओं, आर्य समूहों, प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं और आर्य महिला सभाओं/संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी सहयोग राशि चैक/बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा-महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर भेजने की कृपा करें। यह सम्मेलन आप का है और आप के सहयोग से ही यह हर प्रकार से अद्वितीय बन सकता है। कृपया अपनी सहयोग राशि **'संयोजक'** के नाम **'अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन,15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें। **दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।**

- *संयोजक*

ओ३म्

वैदिक विचारधारा को विश्वभर में गुंजायमान करने के संकल्प को साथ लेकर

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

महर्षि दयानन्द सरस्वती

भारत की राजधानी दिल्ली में विश्वभर के आर्यों का महाकुंभ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

25, 26, 27, 28 अक्टूबर, 2018

तदनुसार कार्तिक कृ० १, २, ३, ४ विक्रमी सम्वत् २०७५

विश्व शान्ति यज्ञ, योग तथा सामाजिक व राष्ट्रीय विषयों पर तपोनिष्ठ संन्यासियों एवं वैदिक विद्वानों के प्रेरणास्पद उद्बोधन एवं प्रवचन

लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

-: सम्मेलन स्थल :-

स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली

निवेदक

सुरेश चन्द्र आर्य
प्रधान
सा. आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9824072509

महाशय धर्मपाल
अध्यक्ष
स्वागत समिति
+91 11 25937987

प्रकाश आर्य
मंत्री
सा. आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9826655117

धर्मपाल आर्य
सम्मेलन संयोजक
प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9810061763

उप प्रधान : डॉ. राधकृष्ण वर्मा, आ.विजय पाल, सोमदत्त महाजन।
उपमन्त्री : वाचोनिधि आर्य, देवराज आर्य, प्रदीप आर्य, दयाराम बसैये।
कोषाध्यक्ष : श्री अनिल तनेजा ।

मिठाईलाल सिंह
परामर्शदाता
अ.आर्य महासम्मेलन

उप प्रधान : शिव कुमार मदान, ओम प्रकाश आर्य, श्रीमती मृदुला चौहान।
मन्त्री : अरुण प्रकाश वर्मा, सुखबीर सिंह आर्य, सुरेन्द्र आर्य, शिवशंकर गुप्ता, वीरेन्द्र सरदाना, सुरेशचन्द्र गुप्ता। कोषाध्यक्ष : श्री विद्यामित्र ठुकराल

आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य : संरक्षक : रामनाथ सहगल, मदन मोहन सलूजा, ठा. विक्रम सिंह, ओम प्रकाश घई, सतपाल भरारा,
उप प्रधान : सुरेन्द्र कुमार रैली, विक्रम नरुला, उषाकिरण आर्या, राजेन्द्र दुर्गा, कीर्ति शर्मा, अजय सहगल।
महामन्त्री : सतीश चड्डा, मन्त्री : योगेश आर्य, हरिओम बंसल, एस.पी. सिंह, राजीव चौधरी। व्यवस्था सचिव : सुरिन्द्र चौधरी

संयोजक एवं व्यवस्था समिति के माननीय सदस्यगण

मा. रामपाल आर्य, प्रधान; उमेद शर्मा, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा
सुदर्शन शर्मा, प्रधान; प्रेम भारद्वाज, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब
मिठाईलाल सिंह, प्रधान; अरुण अबरोल, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई
स्वामी धर्मानन्द, प्रधान; वीरेन्द्र पाण्डा, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा उड़ीसा

दीनदयाल गुप्त, प्रधान; जगदीश प्र. केडिया, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा पश्चिम बंगाल
सुरेशचन्द्र आर्य, प्रधान; हंसमुख परमार, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा गुजरात
आचार्य अंशुदेव, प्रधान; दीनानाथ वर्मा, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा छत्तीसगढ़
राकेश चौहान, प्रधान; रविकान्त, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा जम्मू-कश्मीर

डॉ. ब्रह्ममुनि, प्रधान; माधवराव देशपाण्डे, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा महाराष्ट्र
इन्द्र प्रकाश गांधी, प्रधान; प्रकाश आर्य, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य भारत
डॉ. धीरज आर्य, का. प्रधान; स्वामी धर्मेश्वरानन्द, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश
विजय सिंह भाटी, प्रधान; सुधीर शर्मा, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

प्रबोध चन्द्र सूद, प्रधान; करमवीर सिंह, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश
भारतभूषण त्रिपाठी, प्रधान; चन्द्रशेखर प्रसाद, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा झारखण्ड
सत्यवीर शास्त्री, प्रधान; अशोक यादव, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा म.प्र.व विदर्भ
रमाकान्त सिंघल, प्रधान; लोकेश आर्य, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा असम

सुभाष अष्टीकर, प्रधान; डॉ. वासुदेव राव, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा कर्नाटक
संजीव चौरसिया, प्रधान; व्यासनन्दन शास्त्री, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा बिहार
डॉ. विनय विद्यालंकार, प्रधान; नरेन्द्रलाल आर्य, मन्त्री — आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड
धर्मपाल गुप्ता, उप प्रधान; जोगेन्द्र खट्टर, महामन्त्री — अ.भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ

श्री देवेन्द्रपाल वर्मा, आर्य नेता, उ.प्र.
श्री विवेक शिनॉय, संयोजक, केरल अभियान समिति
डॉ. धनञ्जय जोशी, संयोजक, तमिलनाडु अभियान समिति
सुरेश आर्य, संयोजक, अन्दमान निकोबार अभियान समिति
डॉ. धर्मतेजा, संयोजक, आ.प्र. व तेलंगाना अभियान समिति

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

Veda Prarthana - II
Regveda - 19/1

ब्रह्म च क्षत्रं च राष्ट्रं च विशश्च त्विषिश्च।
यशश्च वर्चश्च द्रविणं च।।
– अथर्ववेद 12/5/8

Braham cha shatram cha rashtram cha vishashcha tiwashishcha.
Yashashcha varchashcha dravinam cha.
- Atharva Veda 12:5:8

Supreme Father God, in the Vedas for the progress and prosperity of individual human beings, societies, nations and the world, has given knowledge, which for each of them describes their duties, guiding basic virtuous principles and rules to live by. If human beings and societies were to follow them, there would definitely be progressive improvement in all areas. These teachings are universally good for all persons at all times and are not restricted to any particular group of people belonging to a particular faith, religion, language, society, tribe. or nation. For God all human beings are His children, He is benevolent to everybody and does not discriminate against any particular group of people, he judges us by our individual actions, and not because we belong to a particular group. Human beings and not God have created these separations among various people of the world, within various countries or communities.

Learned Persons, Warriors, Business Persons, Labor Should All Work Together For Nations Progress.

- Acharya Gyaneshwarya

The first message of this mantra is that if a society or nation wants to progress positively it must train and groom persons who believe in God, are honest and have virtuous values, have control over their senses, are learned, hardworking, well behaved, and are caring, generous, and willing to work for the society's welfare. Such persons should be the teachers, principals, and other educators, who give children not only knowledge, but also guide them about morality, virtuous values, patience. Thus, you create better future generations. In addition, a society should train and groom lecturers and speakers who can travel and teach adults in villages, towns and the nation to help remove ignorance, superstitions, blind faith, deception of public by false propaganda and guide them about what are virtuous versus non-virtuous and sinful deeds. Moreover, such persons would be expected to themselves have the following qualities and will promote them to others: faith and devotion to God, honor to parents and teachers, pride in the nation, selfless service to others and the nation, kindness and forgiveness. The nation should give this opportunity and privilege of teaching only to deserving persons who are generous and have virtuous character, and not to those who are greedy (want the opportunity primarily for money), lazy, selfish, or prejudiced.

The second message of the mantra is that a nation should train a cadre of courageous, brave, fearless and strong administrators/rulers who working together in union will prevent, tackle and eliminate existing ills in the society and nation such as injustice, favoritism, fears, worries of insecurity and terror. Their able administration would instill fear of punishment among people and businesses that cheat and deceive public, those who sell contaminated foods, bribe officials, as well as those who are thieves, looters, robbers or murderers. The administrative authorities within reasonable time (without delays) should severely punish the people responsible for the bad deeds to discourage others from behaving similarly.

The third thing this Veda mantra recommends is that a nation should have a counsel of dharmic i.e. virtuous, learned, experienced, and disciplined advisors who would ably guide the management/running of the nation. Most able senior experts from a variety of fields including sciences, humanities and arts should be properly selected from all over the nation who can provide their special knowledge and skills so that the nation is better organized, can excel in all kinds of endeavors and prevents administrators/rulers from becoming arrogant.

To Be Continue....

आओ ! संस्कृत सीखें

संस्कृत वाक्य अभ्यास: (66)
प्रत्यय प्रकरण

गतांक से आगे....

कर्ता अर्थ के बोधक ण्वुल् व तृच् प्रत्यय – (ण्वुल्तृचौ) धातु से कर्ता अर्थ को कहने में ण्वुल् व तृच् प्रत्यय होते हैं। ण्वुल् का वु बचता है, उसको अक हो जाता है व तृच्च का तृ । ण्वुघ्ल् प्रत्ययान्त के रुप पुल्लिंग में राम, स्त्रीलिङ्ग में रमा के समान । इसी प्रकार तृच् प्रत्ययान्त के रुप पुल्लिङ्ग में कर्तृ व स्त्रीलिङ्ग में नदी के तुल्य चलेगें।

उदाहरण- ईश्वर: जगत: कर्ता अस्ति। यहां ''कर्ता'' शब्द में ''कृ '' धातु से तृच् प्रत्यय हुआ अत: वाक्य का अर्थ हुआ ''ईश्वर जगत् का करने वाला है''।

2. एते जना: धनानां भोक्तार: सन्ति।
ये लोग धनों के भोगने वाले हैं।

3. चोर: वस्तुन: हर्ता अस्ति ।
चोर वस्तु का हरण करने वाला है ।

4. पिता पुत्राणां भर्ता अस्ति ।
पिता पुत्रों का भरण करने वाला है।

5. माता बालकानां कर्त्री अस्ति ।
माता बालकों की करने वाली(निर्माण) है।

6. रमेश: कक्षायाम् अध्यापक: अस्ति।
रमेश कक्षा में अध्यापक है।

7. स: चलचित्रे उत्तम: नायक: अस्ति।
वह फिल्म में अच्छा नायक है।

8. स्वामी दयानन्द: ''सत्यार्थ प्रकाश'' इत्यस्य ग्रन्थस्य लेखक: अस्ति।
स्वामी दयानन्द ''सत्यार्थ प्रकाश'' इस ग्रन्थ के लेखक हैं।

9. राम: श्रेष्ठानां परम्पराणां वाहक: अस्ति।
राम श्रेष्ठ परम्पराओं का वहन करने वाला है।

10. परीक्षायां सा परीक्षिका भविष्यति ।
परीक्षा में वह जांचने वाली होगी ।

– आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय, **मो. 9899875130**

शोक समाचार

महाशय तेजराम आर्य का निधन

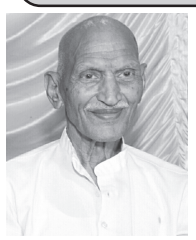

आर्य समाज नजफगढ़ के संरक्षक महाशय तेजराम आर्य जी का 82 वर्ष की आयु में दिनांक 29 अगस्त 2018 को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार वैदिक रीति से सम्पन्न हुआ। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा 9 सितम्बर को हनुमान मन्दिर धर्मशाला धर्मपुरा नजफगढ़ में सम्पन्न हुई, जिसमें निकटवती अनेक आर्यसमाजों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पहुंचकर अपने श्रद्धसुमन अर्पित किए। महाशय तेजराम जी गत 45 वर्षों से आर्यसमाज से जुड़े थे। उनके ज्येष्ठ सुपुत्र मा. सत्यवीर आर्य जी भी आर्यसमाज नजफगढ़ के प्रधान पद को सुशोभित किया है।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। –सम्पादक

प्रेरक प्रसंग

जब सैनिक विद्रोह पर तुल गए

पूज्यपाद स्वामी स्वतन्त्रानन्दजी महाराज ने लिखा है, ''मारीशस में आर्यसमाज की स्थापना उसी भाँति हुई जैसे हवा कहीं से किसी बीज को उड़ाकर ले-जाए और किसी दूर की भूमि पर जा पटके और वह बीज वहाँ ही उग आये।''

मारीशस में आर्यसमाज का बीज बोने और उसे अंकुरित करनेवाले महारथी थे- श्री रामशरणजी मोती, वीर खेमलालजी वकील, श्री केहरसिंह (गाँव चिदा, फिरोजपुर, पंजाब), श्रीरामजीलाल तथा श्री चुन्नीलाल आदि (चीमनी, हिसार, हरियाणा), श्री लेखराम जी (आदमपुर गांव, हिसार, हरियाणा), श्री हरनामसिंह (झझर, हरियाणा के), श्री मंसासिंहजी जालन्धर, पंजाब के तथा श्री गुरप्रसाद गोपालजी आदि मारीशस-निवासी थे।

श्री रामशरणजी मोती ने पंजाब से कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं। उनमें रद्दी में आर्यपत्रिका लाहौर के कुछ पन्ने थे। इन्हें पढ़कर वे प्रभावित हुए। उस दुकानदार से उन्होंने 'आर्यपत्रिका' का पता लगाया। इस पत्रिका को पढ़ते-पढ़ते वे आर्यसमाजी बन गये।

साहस के अंगारे वीर खेमलालजी के आर्य बनने की कहानी विचित्र है। एक सैनिक टोली मारीशस आई। उनमें कुछ आर्यपुरुष भी थे। उनकी बदली हो गई। जाते-जाते वे कुछ पुस्तकें वहीं दे गये। श्री भोलानाथ हवलदार एक सत्यार्थप्रकाश की प्रति श्री खेमलाल को दे गये।

श्री खेमलाल सत्यार्थप्रकाश पढ़कर दृढ़ आर्य बन गये।

श्री रामशरण मोती ने रिवरदी जाँगील में आर्यसमाज का आरम्भ किया तो खेमलालजी ने मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुइस व क्यूर पाइप में वेद-ध्वजा फहरा दी। पोर्ट लुइस के आर्यपुरुष एक होटल में एकत्र होते थे। ये लोग पाखण्ड-खण्डन खूब करते थे। पोप शब्द तो सत्यार्थप्रकाश में है ही। वीतराग स्वामी स्वतन्त्रानन्दजी महाराज ने लिखा है कि इन धर्मवीरों ने पोप के अनुयायियों के लिए 'पोपियाँ' शब्द और घड़ लिया।

मेरी पाठकों से, आर्य कवियों से व लेखकों से सानुरोध प्रार्थना है कि मॉरीशस के उन दिलजले दीवानों की स्मृति को स्थिर बनाने के लिए पोप के चेलों के लिए 'पोपियाँ' शब्द का ही प्रयोग किया करें। इस शब्द को साहित्य में स्थायी स्थान देना चाहिए। अभी से गद्य के साथ पद्य में भी इस अद्भुत शब्द के प्रयोग का आन्दोलन मैं ही आरम्भ करता हूँ-

विश्व ने देखा कि पोपों के सभी गढ ढह गये।
पोप दल और पोपियाँ सारे बिलखते रह गये।।
वेद के सद्ज्ञान से फिर लोक आलोकित हुआ।
मस्तिष्क मन मानव का जब फिर धर्म से शोभित हुआ।।

– प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु

साभार :

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी **: पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

ठहरने के लिए क्या आप 'होटल' चाहते हैं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आप की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। आप सभी का सहर्ष स्वागत है। आप इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में आएँ और अन्यों को इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर यदि आप ठहरने के लिए होटल में आवास सुविधा चाहते हैं तो संयोजक समिति द्वारा कुछ होटलों में सशुल्क आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सामान्य होटल करोल बाग क्षेत्र में मैट्रो के निकट, रोहिणी क्षेत्र में 2 स्टार ओयो रुम सम्मेलन स्थल से 2 किमी क्षेत्र में तथा 3 स्टार होटल सम्मेलन स्थल से 3-4 किमी की दूरी पर हैं। प्रत्येक होटल के एक कमरे में दो व्यक्तियों के ठहरने की व्यवस्था है अटैच बाथरूम। होटल शुल्क (सभी करों सहित) इस प्रकार है-

सामान्य होटल : 1500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

2 स्टार ओयो रुम : 2500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

3 स्टार (विद ब्रेक फास्ट) : 3500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

यदि आप कमरे में तीसरे बैड की व्यवस्था चाहते हैं तो अतिरिक्त शुल्क पर बैड उपलब्ध हो सकेंगे। उसके लिए आपको स्वयं होटल में बात कर लें। अनुमानित रूप से तीसरे बैड के लिए सामान्य होटल में 300/-, 2स्टार में 500/- तथा 3 स्टार में 800/- रुपये में देय होंगे। अतिरिक्त बैड की ये दरें अनुमानित हैं। इसके लिए आप स्वयं अपने आबंटित होटल में पहुंचकर बात करें।

कमरे पूर्णत: वातानुकूलित और आवश्यक सुविधाओं से युक्त हैं। यदि सुविधा का लाभ उठाना चाहते है तो देय राशि का बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर अपने नाम,पता एवं दूरभाष सहित पूर्ण विवरण पत्र द्वारा सम्मेलन कार्यालय को भेजें।

नोट : आप स्वयं भी रोहिणी, पीतमपुरा, शालीमार बाग एवं आस-पास के क्षेत्रों में धर्मशाला/होटला ओयो रुम विभिन्न बैवसाइटों के माध्यम से बुक करा सकते हैं आप द्वारा स्वयं बुक कराने से सम्भव है कुछ कम राशि में बुकिंग हो सके।

- संयोजक, आवास समिति

आवास व्यवस्था हेतु कृपया ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर यदि आप सम्मेलन स्थल मैदान में ही बनें आवासों में ठहरने की व्यवस्था चाहते हैं तो कृपया ध्यान दें -

1. सम्मेलन के दिनों में रात्रि का मौसम हल्की ठंड वाला होगा। अत: अपने ओढ़ने एवं बिछाने के लिए सामान्य चादर या पतला कम्बल अवश्य साथ लाएं, जिससे आपको सुविधा हो।

2. जो महानुभाव ग्रुप में आ रहे हैं। वे अपने ग्रुप लीडर का नाम, पता, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची बनाकर आवास समिति के नाम सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें। अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके।

जो व्यक्ति एक साथ, एक ही साधन से एक ही समय पर पहुंच रहे हैं, उसे ही ग्रुप कहा जाएगा। अत: यदि आप एक ही संस्था/आर्यसमाज के सदस्य होने पर भी अलग-अलग समय/साधन से आ रहे हैं तो उसके लिए पृथक से ग्रुप लीडर बनाएं और उसी के हिसाब से पधारने वाले सज्जनों की सूची भेजें।- *संयोजक, आवास*

रेल यात्रा से पधारने वाले आर्यजनों के लिए ट्रांस्पोर्ट (यातयात) व्यवस्था : कृपया ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर दिल्ली पधार रहे समस्त आर्यजनों की सुविधा हेतु सूचित किया जाता है कि महासम्मेलन आयोजन समिति की ओर से दिनांक 24 अक्तूबर की प्रात: से देर रात्रि 25 अक्तूबर तक दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनन्द विहार, सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशनों पर देश के विभिन्न राज्यों से महासम्मेलन में भाग लेने के लिए पधारने वाले आर्य श्रद्धालुओं को महासम्मेलन स्थल - "स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी दिल्ली-85" तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। आप कहां से, कब, कितने बजे किस स्टेशन पर पहुंच रहे हैं इसकी सूचना अपने ग्रुप लीडर के माध्यम से ग्रुप लीडर के नाम, पते, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची बनाकर सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें। अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके। इसी प्रकार 28 अक्तूबर की प्रात: से देर रात्रि तक सम्मेलन स्थल से वापस रेलवे स्टेशन तक जाने के लिए भी बसों की व्यवस्था की गई है। आर्यजन इस सेवा का लाभ उठावें। *- संयोजक, यातायात समिति*

निर्वाचन समाचार

आर्य समाज चैनपुरा, जोधपुर

प्रधान : श्री कानसिंह भाटी
मंत्री : श्री सीताराम प्रजापति
कोषाध्यक्ष : श्री महेन्द्र सिंह टाक

सार्वदेशिक सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018
25-28 अक्तूबर, 2018 : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै.-10, रोहिणी, दिल्ली

मुख्य पंजीकरण फार्म

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....
नाम.....
पिता/पति का नाम .....
मोबाइल .....व्हाट्एप्प.....
फोन (नि.) .....(कार्या.).....
ई-मेल .....
पूरा पता .....
.....
राज्य .....देश .....पिन ☐☐☐☐☐☐
शैक्षिक योग्यता (अन्तिम): .....
व्यवसाय: व्यापार ☐ सेवारत ☐ सेवानिवृत ☐ अन्य ☐
यदि सेवारत हैं तो पद .....
संस्था का नाम-पता.....
.....
सम्बन्धित आर्यसमाज/संस्था का नाम .....
क्या आप भविष्य में सभा द्वारा भेजी गई सभी सूचनाओं के SMS/Whatsapp अपने दिए गए मोबाईल पर प्राप्त करना चाहेंगे? हां ☐ नहीं ☐

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....
नाम.....
दिनांक ..... समय .....

(हस्ताक्षर कार्यालय प्रतिनिधि)

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

रेल भाड़े में 50% छूट : अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभावों को भारत सरकार की ओर से रेल भाड़े में 50% की छूट प्रदान की गई है। छूट का लाभ लेने वाले महानुभाव अपनी आर्यसमाज/संस्था के लैटर हैड पर पधारने वाले सदस्यों की सूची नाम-पता-आयु-मो. नं. के साथ बनाकर भेजें। सम्मेलन कार्यालय की ओर से तत्काल रेल भाड़ा छूट फार्म कोरियर/स्पीडपोस्ट द्वारा भिजवा दिए जाएंगे। रेलवे भाड़ा छूट प्राप्त करने हेतु निर्देश -

1. एक व्यक्ति हेतु एक फार्म भरा जाएगा। टिकट आने-जाने की एक साथ होगी।
2. दिल्ली से 300 किमी से अधिक की दूरी वाले महानुभावों को ही इस छूट का लाभ प्राप्त हो सकेगा।
3. जिन महानुभावों - वरिष्ठ नागरिकों/ स्वतन्त्रता सेनानियों/दिव्यांगों को पहले से ही रेलवे द्वारा छूट दी जा रही है उन्हें इस छूट का लाभ नहीं हो सकेगा।
4. छूट केवल दूसरे दर्जे/श्यनयान दर्जे के लिए ही प्राप्त की जा सकेगी।

अधिक जानकारी के लिए **श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता जी को 9211333188** पर व्हाट्एप्प करें aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करें अथवा महासम्मेलन कार्यालय को लिखें अथवा।- *संयोजक*

वार्षिकोत्सव आयोजित

आर्यसमाज राधापुरी दिल्ली का 63वां वार्षिकोत्सव 2 अक्टूबर 2018 आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत चारों वेदों के चुने हुए मंत्रों द्वारा यज्ञ व प्रवचन आचार्य जयेन्द्र शास्त्री (गुरुकुल नोएडा) द्वारा सम्पन्न होगा तथा श्री महेश आर्य एवं महिलाओं के भजन होंगें।

- आर्य रमेश चन्द्र आर्य, प्रधान

आर्य समाज मानसरोवर गार्डन में जन्माष्टिमी कार्यक्रम सम्पन्न

आर्यसमासज मानसरोवर गार्डन में सगींतमय श्रीकृष्ण जन्माष्टिमी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रधान श्री अशोक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में भजनोंपदेशक श्री अंकित उपाध्याय ने अपने बहुत ही मधुर, प्रेरणादायक व योगीराज श्री कृष्ण के प्रेरक प्रसंगों के भजन सुना कर आर्यजनों से भरे हुए सभागार को मन्त्र मुग्ध कर दिया।- *मन्त्री*

संरक्षक (वार्डन) की आवश्यकता

आर्य समाज द्वारा संचालित आर्य अनाथालय के निराश्रित/अनाथ बालकों के लिए पुरुष व महिला संरक्षक(वार्डन) की आवश्यकता है। जिसे सेवा कार्य में रुचि हो। उम्र 45 से 60 के बीच। नशे से मुक्त, शाकाहारी व संस्था के भवन में रहना अनिवार्य। भोजन व निवास के अतिरिक्त वेतन योग्यतानुसार। दिनांक 24/9/2018 तक आवेदन भेजें।

सचिव, आर्य अनाथालय,
4844/24 अंसारी रोड, दरिया गंज,
नई दिल्ली-110002
दूरभाष : 011-23275740, 23274700

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 3 सितम्बर, 2018 से रविवार 9 सितम्बर, 2018

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 6-7 सितम्बर, 2018

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 5 सितम्बर, 2018

भव्य स्मारिका का प्रकाशन

सभी आर्य समाजें व आर्य संस्थाएँ विज्ञापन अवश्य भेजें

यदि आप सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज / संस्था की विशेष गतिविधियों का विवरण प्रकाशित करना चाहते है, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी संस्था का नाम अंकित हो। स्मारिका 15 अक्टूबर तक तैयार हो जायेगी और 23×36×8 साईज में प्रकाशित होगी। पूरे पृष्ठ का विज्ञापन साईज 7.5"×10" का एवं आधे पृष्ठ का साईज 7.5"×5" होगा। आप अपना चैक/ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम केवल खाते में उक्त पते पर भिजवाकर कृतार्थ करें। विज्ञापन सामग्री एवं डिजाईन हमें 30 सितम्बर 2018 तक अवश्य भिजवा दें। दरें निम्न प्रकार हैं -

(श्वेत श्याम विज्ञापन)		(रंगीन- चार रंगों में विज्ञापन)	
1. चौथाई पृष्ठ	5000/-	4. चौथाई पृष्ठ	7500/-
2. आधा पृष्ठ	7500/-	5. आधा पृष्ठ	12500/-
3. पूरा पृष्ठ	10000/-	5. पूरा पृष्ठ	21000/-

विज्ञापन, संस्था/आर्यसमाज/ पारिवारिक परिचय दें : यदि आप अपना कोई विज्ञापन, अपनी संस्था/आर्यसमाज/ अपने परिवार के सम्बन्ध में सामग्री प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो आप विज्ञापन के रूप में अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि और कार्य का परिचय दे सकते हैं।

विद्वानों/लेखकों से निवेदन : सभी वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से निवेदन है कि आर्य समाज के अनछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यों को आजतक किसी ने नहीं जाना-पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखों को ए-4 साईज के पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर **'स्मारिका सम्पादक', अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली -110001'** पर या aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करने की कृपा करें। **- अजय सहगल, सम्पादक**

प्रतिष्ठा में,

आर्यसमाज किशनपुरा सोनीपत की पुनर्निर्मित यज्ञशाला का शुभारम्भ

आर्यसमाज किशनपुरा, गन्नौर मण्डी, सोनीपत की पुनर्निर्मित यज्ञशाला का महाशय धर्मपाल जी, चेयरमैन एम.डी.एच., ने यज्ञ द्वारा शुभारम्भ किया। वहाँ उपस्थित आर्यजनों से अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 की तैयारियों पर चर्चा हुई, जिसमें श्री विनय आर्य, महामन्त्री, आर्य प्रतिनिधि सभा, व श्री सतीश चड्डा, महामन्त्री, आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली ने भाग लिया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं श्रावणी

आर्य समाज सी ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली, में बड़े सोहार्दपूर्ण वातावरण में श्रीकृष्ण जन्माष्टिमी व श्रावणी उपाक्रम कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी ने की। ठाकुर विक्रम सिंह मुख्य अतिथि डा. महेश विद्यालंकार, वैदिक विद्वान, श्री ओम प्रकाश आर्य, उपप्रधान, दि.आ.प्र. सभा, श्री विक्रम नरुला, उपप्रधान, आ. के. सभा, श्री सतीश चड्डा, महामन्त्री, आ. के. सभा, श्री सुखबीर सिंह, उपमन्त्री, दि.आ.प्र. सभा, श्री विरेन्द्र सरदाना, महामन्त्री, वेद प्रचार मण्डल तथा अन्य गणमान्य आर्यजनों ने भाग लिया।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह